पंजाब केसरी 15/01/2022

कर्मकांड एवं ज्योतिष शास्त्र में दर्शन का स्वरूप विषय पर हुई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

अम्बाला छावनी, 14 जनवरी (ब्यूरो): जी.एम.एन. कालेज के संस्कृत विभाग, व्यवहारपरक शास्त्राधारित शोध संस्थान, रामायण प्रचार एवं प्रसार प्रतिष्ठान केंद्र, गांधी मैमोरियल नैशनल महाविद्यालय, सनातन धर्म महाविद्यालय एवं आर्य कन्या महाविद्यालय, अंबाला छावनी द्वारा संयुक्त रूप से मकर संक्रांति पर 1 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय कर्मकांड एवं ज्योतिष शास्त्र में दर्शन का स्वरूप रहा।

प्राचार्य डा. राजपाल सिंह ने विषय की सार्थकता पर कहा कि दर्शन कोई भी हो चाहे सामाजिक अथवा आध्यात्मिक, यह वास्तव में भारतीय परंपराओं को व्यक्त करने का एक अनूठा माध्यम है। कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभागाध्यक्ष, डा. राजेंद्रा ने विषय का औचित्य प्रतिपादित करते हुए ज्योतिष शास्त्र एवं कर्मकांड के प्रभाव एवं उसकी कालजयी प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रकट किए। बीज वक्ता डा. सुरेंद्र मोहन मिश्र, निदेशक, गुलजारी लाल नंदा शोध संस्थान ने अपने प्रेरक उद्बोधन में ज्योतिष शास्त्र एवं कर्मकांड के व्यापक फलक पर वैचारिक मंथन किया। विशिष्ट अतिथि डा. केदारनाथ प्रभाकर, रामतीर्थ ज्योतिष अनुसंधान केंद्र ने कहा कि यह शास्त्र हमारा सहचर है क्योंकि आदि से अंत तक हमारी सारी जीवन प्रक्रिया इसी के साथ चलती है।

विशिष्ट अतिथि डा. अनुपमा आर्या, प्राचार्य आर्य कन्या महाविद्यालय ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्योतिष का ज्ञान वेदों के ज्ञान के बिना अधूरा है।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते वक्ता। (चंद्रमोहन)

मालती आकल सडान साउथ अफ्रीका ने कहा कि हम अपनी परंपराओं से कट रहे हैं और इसलिए इन गंभीर और वैज्ञानिक विषयों को ठीक ढंग से समझ नहीं पा रहे। इसके अलावा डा. अविनाश, डा. विभा अग्रवाल, डा. आशुतोष ने भी सम्बोधित किया।